0565

No. of Printed Pages : 2

आर.एम.यू.-002

Ph.D. IN PERFORMING AND VISUAL ARTS (PHDPVA)

सत्रांत परीक्षा, 2019

आर.एम.यू.-002 : भारतीय संगीत का इतिहास परक अध्ययन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. वैदिक काल में सप्त स्वरों का विकास और नारदीय शिक्षा में वर्णित स्वरों के साथ लौकिक स्वरों के सामंजस्य स्थापन के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक बताइये।

2. भरत द्वारा रचित नाट्यशास्त्र का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. संगीत रत्नाकर के प्रबन्ध अध्याय का विस्तारपूर्वक विवरण दीजिए।

4. प्राचीन काल से आधुनिक समय तक कई राग वर्गीकरण प्रणालियों का प्रयोग किया गया। आपकी दृष्टि में कौन-सी राग वर्गीकरण प्रणाली सर्वाधिक तर्कसंगत है और क्यों ?

5. पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे ने भारतीय संगीत के क्षेत्र में अनेकों योगदान दिये। इन में से कौन-सा आपकी दृष्टि में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान है ?

6. भारतीय संगीत में ध्रुपद अथवा ख्याल गायन के उद्भव और विकास के संबंध में विस्तृत विवेचन कीजिए।

7. निम्नलिखित किसी भी एक वाद्य की उत्पत्ति और क्रमिक विकास के सम्बन्ध में सविस्तार वर्णन कीजिए-

(क) सितार

(ख) सारंगी

(ग) तबला

----- x -----